

गुजरात में पेयजल की समस्या का समाधान

चर्चा में क्यों?

हर साल गुजरात के उत्तरी क्षेत्र और सौराष्ट्र (North Gujarat and Saurashtra) को पेयजल की भारी कलिलत का सामना करना पड़ता है। गौरतलब है कि ये दोनों राज्य के सूखे से प्रभावित क्षेत्र हैं कति अब इस समस्या से निपटने के लिये गुजरात सरकार एक वसितुत योजना लाने की तैयारी कर रही है।

प्रमुख बदि

- गुजरात सरकार की इस योजना के तहत अब स्वच्छ जल का इस्तेमाल केवल पेयजल के रूप में तथा सचिई के लिये किये जाएगा और उद्योगों की जल संबंधी आवश्यकताओं को उपचारित अपशष्टि जल से पूरा किये जाएगा।
- अगले 3-4 वर्षों में उद्योगों की आवश्यकताओं का 80% से अधिक जल की आपूर्ति उपचारित अपशष्टि जल (Treated Waste Water- TWW) के माध्यम से की जाएगी। उपचारित अपशष्टि जल (TWW) की आपूर्ति सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (Sewerage Treatment Plants- STPs) से की जाएगी।
- गुजरात में सीवेज से कुल 4,000 मिलियन लीटर जल प्रतिदिन निकलता है, जबकि इसकी जल उपचार क्षमता 3,500 मिलियन लीटर प्रतिदिन (Million Litres per Day- MLD) है।
- अगले 2-3 वर्षों में नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स की स्थापना तथा मौजूदा प्लांट्स के वसितार द्वारा इस क्षमता को बढ़ाते हुए 5000 मिलियन लीटर प्रतिदिन (MLD) कर दिये जाएगा।

क्यों महत्त्वपूर्ण है यह योजना?

- गुजरात में ताजे जल के सीमिति स्रोत हैं, जबकि मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में पेयजल की समस्या के समाधान के लिये उचित तरीके अपनाने की सख्त आवश्यकता है जिसके मद्देनजर गुजरात सरकार यह योजना बना रही है।
- इस योजना के परिणामस्वरूप शहरों और कस्बों में बढ़ते प्रदूषण की समस्या से भी निपटा जा सकेगा।

सीवरेज ट्रीटमेंट

- सीवरेज ट्रीटमेंट प्रक्रिया में घरेलू अपशष्टि जल, गंदे जल से संदूषित पदार्थों को हटाया जाता है।
- इस प्रक्रिया में ऐसे विभिन्न भौतिक, रासायनिक और जैविक पदार्थों को हटाया जाता है जो जल को हानिकारक बनाते हैं।
- सीवरेज ट्रीटमेंट में विभिन्न भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रक्रियाएँ अपनाई जाती हैं।

॥



स्रोत- द हद्व

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/gujarat-will-supply-treated-wastewater-for-industrial-use>

